अब थ्योरी तक सीमित नहीं रहेगी एमबीए की पढ़ाई, इमर्सिव लर्निंग पैटर्न शुरू

पढ़ाई से ज्यादा जिंदगी के असली स्किल्स सीख रहे

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (16 May): अब एमबीए की पढ़ाई सिर्फ किताबों और थ्योरी तक सीमित नहीं रहेगी. यूपीईएस के स्कूल ऑफ बिजनेस ने इन्सिआड एक्सआर के साथ मिलकर एमबीए स्टूडेंट्स के लिए नया और मजेदार तरीका शुरू किया है इमर्सिव लर्निंग, यानी ऐसी पढ़ाई जिसमें स्टूडेंट खुद को रियल लाइफ जैसे माहौल में पाते हैं और फैसले लेना सीखते हैं. इस खास सेशन में दो एक्सआर (एक्सटेंडेड रियलिटी) सिमुलेशन कराए गए. द एवोकाडो केस, जिसमें स्टूडेंट्स को बिजनेस स्ट्रैटेजी बनानी थी, और दूसरा मिशन टू मार्स, जहां टीमवर्क और क्रिटिकल थिंकिंग का एग्जाम लिया गया.

फ्यूचर के लिए करने है स्टूडेंट्स

स्टूडेंट्स ने कहा कि ये तरीका उन्हें पढ़ाई से कहीं ज्यादा जिंदगी के असली स्किल्स सिखा रहा है. जैसे टीम में काम करना, सोच-समझकर फैसला लेना और टेक्नोलॉजी के साथ आगे बढ़ना. यूपीईएस के डीन राहुल नैनवाल ने कहा कि उनका मकसद यही है पढ़ाई को मजेदार और काम की बनाना. अगले सेमेस्टर से ये एक्सआर सिमुलेशन बाकायदा एमबीए कोर्स का हिस्सा होंगे. इस पहल से यूपीईएस ये दिखा रहा है कि वो सिर्फ एक यूनिवर्सिटी नहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ टुमॉरो है जो स्टूडेंट्स को कल की दुनिया के लिए आज से तैयार कर रही है.